M.A.-II HINDI SYLLABUS

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – III (Hindi)

Subject: Hindi sahitya ka itihaas

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

Programme Structure

Semester III					L	T	Total Credits
		Semester Exam					
Code	Title of the Paper	Theory	I A	Total			
	Hard Core Compulsory Paper						
3.1	हिंदी साहित्य का इतिहास	80	20	100	4	1	5
3.2	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	80	20	100	4	1	5
3.3	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	80	20	100	4	1	5
DSE	**DSE (Any One Optional)**						
3.1	प्राचीन एवं मध्याकालीन काव्य	80	20	100	4	1	5
3.2	**हिंदी नाटक और रंगमंच**	80	20	100	4	1	5
	Generic Elective (Any One)OET						
3.1	साहित्य मीमांसा	80	20	100	4	1	5
3.2	**फिल्म मीमांसा**	80	20	100	4	1	5
	Total	400	100	500	20	05	25

Semester IV					L	T	Total Credits
		Semester Exam					
Code	Title of Paper	Theory	I A	Total			
	Hard Core Compulsory Paper						
4.1	हिंदी साहित्य का इतिहास	80	20	100	4	1	5
4.2	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	80	20	100	4	1	5
4.3	Disertation	80 **(Practical)**	20 **(Viva)**	100	4	1	5
DSE	**DSE A (Any One Optional)**						
4.1	प्राचीन एवं मध्याकालीन काव्य	80	20	100	4	1	5
4.2	**हिंदी नाटक और रंगमंच**	80	20	100	4	1	5
Soft Core	**Soft Core (Any One Optional)**						
4.1	प्रवासी साहित्य	80	20	100	4	1	5
4.2	**दलित एवं आदिवासी साहित्य**	80	20	100	4	1	5
	Total	400	100	500	20	05	25

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II , सत्र- III

प्रश्नपत्र क्रं. – XI हिंदी साहित्य का इतिहास

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

1.4 **प्रस्तावना** :-

किसी भी भाषा के समग्र लेखन परंपरा से अवगत होना है तो उसके इतिहास को समझना आवश्यक होता है। क्योंकि तभी उस भाषा साहित्य निर्मिति में प्रदीर्घ लेखन परंपरा जानकारी प्राप्त होती है । जो उस भाषा के साहित्यिक उतार-चढाव से अवगत कराती है । साहित्य में विभिन्न विचार प्रवाह आते है जो उस साहित्य समृद्धि को इंगित करते है। हिंदी साहित्य की भी विशाल परंपरा है । जिसमें सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य से लेकर वर्तमान काल का विधागत विस्तार हिंदी साहित्य के व्यापकता को दर्शाता है । इस पाठयक्रम में हिंदी साहित्य के अंतर्गत हिंदी साहित्य के इतिहास का विस्तार से अध्ययन किया जाएगा ।

साहित्य के व्यापकता को दर्शाता है। हिंदी साहित्य को आदिकालीन वीर रस के व्यापकता ने जहां एक संकुचित आकार प्रदान किया वहीं रीतिकालीन विविधांगी विस्तार ने मनुष्य जीवन को परिचित करने का प्रयत्न भी किया।रीतित्तर साहित्य ने परंपराओं के बंधन से हटकर मनुष्य संवेदनाओं को अत्यंत महत्व दिया है। इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य के अंतर्गत हिंदी साहित्य के इतिहास का विस्तार से अध्ययन किया जाएगा।

पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 हिंदी साहित्य इतिहास का महत्व विशद कराना ।

2 हिंदी के आदिकालीन साहित्य का परिचय कराना ।

3 भक्तिकालीन विभिन्न शाखाओं का परिचय कराना ।

4 रीतिकालीन साहित्य का परिचय कराना ।

5 हिंदी साहित्य के इतिहास में रीति भावभूमि से अवगत कराना।

6 रीतिकालीन साहित्य में रीतित्तर साहित्य के महत्व को विशद करना।

7 रीतिकालीन साहित्य में रीति परंपराओं से मुक्त साहित्य की रसोपांग भाव से अवगत कराना।

1.3 **पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-**

1 छात्र हिंदी साहित्य के महत्व से परिचित होकर उसका विश्लेषण करते है ।

2 छात्रों को आदिकालीन साहित्य की जानकारी हो जाती हैं।

3 छात्र भक्तिकालीन साहित्य से परिचित हो जाते हैं।

4 रीतिकालीन साहित्य से परिचित हो जाते है।

5 रीतित्तर साहित्य का भाषा विकास में महत्व को विश्लेषित करना।

6 रीतित्तर साहित्य का साहित्यिक महत्व को विश्लेषित करना।

7 रीतित्तर साहित्य से छात्रों में रीतिकालीन उपेक्षित साहित्य की नई दृष्टि को विकसित करना।

1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-

साहित्य :-

1 छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र काल विभाजन , नामकरण , दार्शनिक परिवेश तथा आदिकालीन, भक्तिकालीन साहित्य से चिंतन करने क्षमता बढेगी ।

3 छात्रों में रीतिकालीन अपरम्परावादी साहित्य से परिचित होगा ।

भाषा :-

1 छात्र हिंदी साहित्य लेखन परंपरा , दार्शनिक परिवेश , अदिकालीन , भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन स्थितियों से परिचित होकर मूल्यांकन की क्षमता बढेगी

2 छात्र किसी भी रचना को समीक्षा करने में सक्षम होगा ।

3 भाषा के बदलते रूप से अवगत होगा।

1.5 **पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-**

1 छात्रों को हिंदी साहित्य लेखन परंपरा , काल विभाजन , दार्शनिक परिवेश तथा आदिकाल , भक्तिकाल की विभिन्न धाराएँ और रीतिकाल का विस्तारपूर्वक अध्ययन करने में में मदद होगी ।

2 छात्र विभिन्न स्थिति तथा कालो से अवगत होगा ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

हिंदी साहित्य का इतिहास

HCT (3.1)Paper- XI

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

Credits: Theory-05 Contact Hours: 60

Course Structure

सत्र **(Semester)**	प्रश्नपत्र **(Paper)**	प्रश्नपत्र का नाम **(Title of Paper)**	नियत तासिकाएँ **Number of Lectures (Theory)**	अंतर्गत मूल्यांकन **Internal Evaluation (IE)**	सत्रांत मूल्यांकन **End Semester Evaluation (ESE)**	कुल अंक **Total Marks**	श्रेयांक **Credits**
III	XI	हिंदी साहित्य का इतिहास	60	20	80	100	05
कुल **(Total)**	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र-** III)

हिंदी साहित्य का इतिहास

HCT (3.1)Paper- XI

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2021)

MAHN23CO122

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई -1 **हिंदी साहित्य का इतिहास** Credits 01

इकाई -2 **आदिकाल** Credits 01

इकाई -3 **भक्तिकाल** Credits 01

इकाई – 4 रीतिकाल Credits 01

रीतितर साहित्य

संदर्भ सूची :-

1 हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल

2 हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र

3 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह

4 हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के

5 हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा

6 हिंदी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

7 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

8 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपतिचंद्र गुप्त

9 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत) सोलापुर

Walchand College of Arts and Science(Autonomous), Solapur

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

HCT (3.1)Paper- XI : हिंदी साहित्य का इतिहास

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

इकाई - I

हिंदी साहित्य का इतिहास :

- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण
- आदिकाल का दार्शनिक परिश
  (वैदिक दर्शन, चार्वाक दर्शन , बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन)

इकाई:II

आदिकाल :

- आदिकालीन पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनीतिक)
- सिद्ध साहित्य का सामान्य परिचय
- नाथ साहित्य का सामान्य परिचय
- जैन साहित्य का सामान्य परिचय
- रासो साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई III

भक्तिकाल :

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनीतिक)
- ज्ञानाश्रयी शाखा- ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- प्रेमाश्रयी शाखा- ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- रामभक्ति शाखा- ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- कृष्णभक्ति शाखा- ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- कवि परिचय – कबीर , जायसी , तुलसीदास, सुरदास

इकाई IV

रीतिकाल :

- रीतिकाल की पृष्ठभूमि (सामाजिक , राजनीतिक)
- रीतिबद्ध साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिसिद्ध साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिमुक्त साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- **रीतितर साहित्य**

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- III)

प्रश्नपत्र-XI :हिंदी साहित्य का इतिहास (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक** - 80

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:2 -	टिप्पणियाँ (३ में से २) । (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न: 3 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1) ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	(16)
प्रश्न:- 4-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	(16)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – IV (Hindi)

Paper No- XVI

Subject: हिंदी साहित्य का इतिहास

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II सत्र – IV

प्रश्नपत्र क्रं - XVI : हिंदी साहित्य का इतिहास

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

1.5 **प्रस्तावना :-**

किसी भी भाषा के समग्र लेखन परंपरा से अवगत होना है तो उसके इतिहास को समझना आवश्यक होता है। क्योंकि तभी उस भाषा साहित्य निर्मिति में प्रदीर्घ लेखन परंपरा जानकारी प्राप्त होती है । जो उस भाषा के साहित्यिक उतार-चढाव से अवगत कराती है । साहित्य में विभिन्न विचार प्रवाह आते है जो उस साहित्य समृद्धि को इंगित करते है। हिंदी साहित्य की भी विशाल परंपरा है । जिसमें सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य से लेकर वर्तमान काल का विधागत विस्तार हिंदी साहित्य के व्यापकता को दर्शाता है । इस पाठयक्रम में आधुनिक काल के भारतेंदु काल से लेकर समकालीन कविता तक और गद्य के विभिन्न विधाओं का विवेचन करते हुए साहित्य के प्रमुख विमर्शो का विस्तार से अध्ययन किया जाएगा ।

उत्तर आधुनिकतावाद साहित्यिक भाव की बंदिशों को छोड़कर अपने भाव समृद्धि की बात करते हुए दिखाई देता है। उत्तर आधुनिकतावाद मनुष्य भाव विस्तार का एक नया अध्याय हैजिसमें परंपराओं से हटकर मुक्त भाव संचय की बात से छात्रों को ; अवगत कराना और साहित्य के नव पथ निर्माण से अध्ययन कराना है। इस पाठ्य का उद्देश्य है।

1,2 पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 आधुनिककालीन परिवेश एवं विभिन्न दर्शनों से परिचित कराना ।

2 भारतेंदु काल से लेकर समकालीन कविता तक सामान्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना ।

3 हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना ।

4 विभिन्न विमर्शो का परिचय कराना ।

5 हिंदी के नए भाव विमर्श से अवगत कराना।

6 हिंदी के समकालीन साहित्य में भावास्तृत रूप से अवगत कराना।

7 हिंदी के बदलते भाव संवेदना की अभिव्यक्ति से अवगत कराना।

1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-

1 आधुनिककालीन परिवेश एवं विभिन्न दर्शनों से परिचित होते है ।

2 भारतेंदु काल से लेकर समकालीन कविता तक सामान्य प्रवृत्तियों से अवगत होते हैं।

3 हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होते हैं।

4 विभिन्न विमर्शो का परिचय प्राप्त करते है।

5 छात्रों को साहित्य के बदलते मनुष्य चिंतन से परिचित होते है।

6 छात्रों को वैश्वीकरण और हिंदी साहित्य के बदलते रूप से परिचित होते है।

1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-

साहित्य :-

1 छात्रों में आधुनिककालीन परिवेश के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र भारतेंदू काल से लेकर समकालीन कविता में निहित अवधारणा से चिंतन करने क्षमता बढेगी ।

3 छात्रों को हिंदी की गद्य विधाओं को समझने में मदद मिलेगा ।

4 छात्रों में वैश्विक वादों का साहित्य पर पढ़ता प्रभाव आदि से परीचित .होने में मदद मिलेगा ।

भाषा :-

1 छात्र में आधुनिककालीन परिवेश एवं विभिन्न दर्शनों को समझने में सक्षम होगा ।

2 छात्र भारतेंदू से लेकर समकालीन कविता तक की सामान्य प्रवृत्तियों को समझने में सक्षम होगा ।

3 छात्र हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं को समझने में सक्षम होगा ।

4 वैश्विकरण के रूप में भाषा की गतिशीलता से समझने में सक्षम होगा।

1.5 पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-

1 छात्रों को आधुनिककालीन परिवेश एवं विभिन्न दर्शनों को जानने में मदद होगी ।

2 छात्र भारतेंदू से लेकर समकालीन कविता तक की प्रवृत्तियों से अवगत होगा ।

3 छात्र हिंदी गद्य विधाओं से अवगत होगा ।

4 छात्र विभिन्न विमर्शो से अवगत होगा ।

5 छात्रों में निष्पक्ष भाव बढाने में मदद मिलेगी ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

हिंदी साहित्य का इतिहास

HCT (4.1) Paper No- XVI

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

पाठयक्रम संरचना (Course Structure)

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
IV	XVI	हिंदी साहित्य का इतिहास	60	20	80	100	05
कुल (Total)	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XVI :हिंदी साहित्य का इतिहास **(CBCS)**

(To be introduced from June 2022)

MAHN24C0722

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई - 1 आधुनिक काल : Credits 01

इकाई -2 **हिंदी पद्य साहित्य का विकास:** Credits 01

इकाई -3 **हिंदी गद्य विधाओं का सामान्य परिचय :** Credits 01

इकाई - 4 बीसवीं सदी के अंतिम चरणों का हिंदी साहित्य : Credits 01

☛ **उत्तर आधुनिकतावाद**

संदर्भ सूची :-

1 हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल

2 हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र

3 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह

4 हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के

5 हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा

6 हिंदी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

7 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

8 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपतिचंद्र गुप्त

9 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत) सोलापुर

Walchand College of Arts and Science (Autonomous), Solapur

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

HCT (4.1) Paper No- XVI : हिंदी साहित्य का इतिहास

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

, इकाई – I

आधुनिक काल :

- आधुनिक काल का दार्शनिक परिवेश

(गांधीवाद, फुले-आंबेडकरवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद)

- भारतेंदु युग और द्विवेदी युग

इकाई:II

हिंदी पद्य साहित्य का विकास:

- छायावादी कविता ; सामान्य प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवादी कविता ; सामान्य प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवादी कविता ; सामान्य प्रवृत्तियाँ
- नई कविता ; सामान्य प्रवृत्तियाँ
- साठोत्तरी कविता ; सामान्य प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कविता ; सामान्य प्रवृत्तियाँ

इकाई III

हिंदी गद्य विधाओं का सामान्य परिचय :

- हिंदी उपन्यास का उदभव और विकास
- हिंदी कहानी का उदभव और विकास
- हिंदी नाटक का उदभव और विकास
- हिंदी निबंध का उदभव और विकास
- हिंदी गद्य की अन्य विधाओं का सामान्य परिचय

(जीवनी,आत्मकथा,संस्मरण,रेखाचित्र,यात्रा-वृत्तान्त, आलोचना)

इकाई IV

बीसवीं सदी के अंतिम चरणों का हिंदी साहित्य :

- स्त्री विमर्श
- दलित विमर्श
- आदिवासी विमर्श
- किन्नर विमर्श
- उत्तर आधुनिकतावाद

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XVI :हिंदी साहित्य का इतिहास **(CBCS)**

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{ अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक - 80**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: १ -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:२ -	टिप्पणियाँ (३ में से २) ।	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न: ३ -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न	(16)
	अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1)	
	ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	
प्रश्न:- ४-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न	(16)
	(अंतर्गत विकल्प के साथ)	
प्रश्न: ५ -	निबंधवत प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – III (Hindi)

Subject: Kavyashastra evam sahityalochan

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II , सत्र- III

प्रश्नपत्र क्रं. – XII काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

1.6 **प्रस्तावना :-**

किसी रचना के भाव , विचार एवं मूल्य उदघटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अनिवार्य है । काव्यशास्त्र के अध्ययन से एक ऐसी दृष्टि विकसित होती है , जिसके आधार पर साहित्य के मर्म एवं मूल्य को परखा जा सकता है । सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने और जांचने – परखने के लिए भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशस्त्र का अध्ययन आवश्यक है ।

रस साहित्य के लिए और साहित्य रस के लिए होता है । रस को समझे बिना साहित्य की कल्पना नही हो सकता। अत: रस को समझने के लिए रस के अंगो को भी जानना आवश्यक होता है । रस के अंगो के बिना रस सिधांत अधूरा है । इसलिए रस के अंगो को जानना आवश्यक है ।

पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 संस्कृत काव्यशास्त्र के विकसक्रम से परिचित कराना ।

2 संस्कृत आचार्यो और उनके द्वारा स्थापित सिद्धांतों से अवगत कराना ।

3 संस्कृत काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्रों को रूबरू कराना ।

4 काव्यशास्त्र को लेकर भारतीय चिंतन से परिचित कराना ।

5 रस के अंगो से परिचित कराना ।

1.3 **पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-**

1 संस्कृत काव्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित होते है ।

2 संस्कृत आचार्यो और उनके द्वारा स्थापित सिद्धांतों से अवगत हो जाते हैं।

3 संस्कृत काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्र रूबरू होते हैं।

4 काव्यशास्त्र को लेकर भारतीय चिंतन का परिचय प्राप्त करते है।

5 रस के अंगो से परिचित होते है ।

1.4 **पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-**

साहित्य :-

1 छात्रों में संस्कृत काव्यशस्त्र के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र संस्कृत काव्यशास्त्र में निहित सिद्धांतों से चिंतन करने क्षमता बढेगी ।

3 छात्रों में साहित्य रासोन्मुख होकर वाचन करने की क्षमता बढेगी ।

भाषा :-

1 छात्र में संस्कृत काव्यशास्त्र से चिंतन शक्ति में वृद्धि होकर उसका उपयोग साहित्य में निहित विभिन्न अंगो को जांच-परख करने में उपयोग करने शक्ति बढेगी ।

2 छात्र किसी भी रचना को समीक्षा करने में सक्षम होगा ।

3 छात्र किसी भी रचना को रस से युक्त होकर पढने में सक्षम होगा ।

1.5 **पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-**

1 छात्रों को विभिन् समिक्षात्मक पद्धति सीखने में मदद होगी ।

2 छात्र विभिन्न सिद्धांत तथा उनके अवधारणा से अवगत होगा ।

3 छात्र रस के अंग तथा उसके अवधारणा से अवगत होगा ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

HCT (3.2)Paper- XII

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

Credits: Theory-05 Contact Hours: 60

Course Structure

सत्र **(Semester)**	प्रश्नपत्र **(Paper)**	प्रश्नपत्र का नाम **(Title of Paper)**	नियत तासिकाएँ **Number of Lectures (Theory)**	अंतर्गत मूल्यांकन **Internal Evaluation (IE)**	सत्रांत मूल्यांकन **End Semester Evaluation (ESE)**	कुल अंक **Total Marks**	श्रेयांक **Credits**
तृतीय (III)	XII	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60	20	80	100	05
कुल **(Total)**	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र-** III)

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

HCT (3.2)Paper- XII

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2021)

MAHN23CO222

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई -1 संस्कृत काव्यशास्त्र : रस सिद्धांत , **रस के अंग** Credits 01

इकाई -2 अलंकार सिद्धांत : Credits 01

इकाई -3 रिति सिद्धांत : वक्रोक्ति सिद्धांत Credits 01

इकाई - 4 ध्वनि सिद्धांत :औचित्य सिद्धांत Credits 01

संदर्भ सूची :-

1 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

2 भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ तारकनाथ बाली

3 काव्यशास्त्र – डॉ भागीरथ मिश्र

4 भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ नगेंद्र

5 साहित्य के प्रमुख सिद्धांत – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी

6 भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यमेव चौधरी

7 रस सिद्धांत : स्वरूप विश्लेषण – डॉ आनंद प्रकाश दीक्षित

8 काव्यशास्त्र – विनयमोहन शर्मा

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

HCT (3.2)Paper- XII : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय :

इकाई - I

संस्कृत काव्यशास्त्र

1भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय

2 **रस सिद्धांत :**

☛ रस शब्द का अर्थ एवं स्वरूप ।

☛ **रस के अंग**

☛ भरतमुनि का रससूत्र एवं तत्संबंधी भट्टलोलट , शंकुक , भट्टनायक और अभिनव गुप्त इन आचार्यो के मत ।

☛साधारणीकरण की अवधारणा और उसके संबंध में विभिन्न मतों का विवेचन।

इकाई:II

I अलंकार सिद्धांत :

☛ अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप।

☛ अलंकार संप्रदाय का विकास ।

☛ काव्य में अलंकारों का स्थान ।

इकाई III

1 **रिति सिद्धांत :**

☛ रीति शब्द का अर्थ एवं परिभाषा।

☛ रीति के भेद और उसके आधार।

☛ रीति और गुण ।

☛ रीति और शैली ।

2 **वक्रोक्ति सिद्धांत :**

☛ वक्रोक्ति की परिभाषा एवं स्वरूप।

☛ कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार ।

☛ वक्रोक्ति के प्रमुख भेद।

इकाई IV

1 **ध्वनि सिद्धांत :**

☛ ध्वनि की परिभाषा एवं स्वरूप ।

☛ ध्वनि और शब्दशक्ति ।

☛ ध्वनि के भेद – अभिधामूला ध्वनि , लक्षणामूला ध्वनि ।

2 **औचित्य सिद्धांत :**

☛ औचित्य की परिभाषा एवं स्वरूप ।

☛ आचार्य क्षेमेंद्र पूर्व औचित्य विचार ।

☛ औचित्य के प्रमुख भेद ।

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- III)

प्रश्नपत्र-XII :काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक** - 80

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:2 -	टिप्पणियाँ (३ में से २) । (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न: 3 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1) ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	(16)
प्रश्न:- 4-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	(16)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – IV (Hindi)

Paper No- XVII

Subject: काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II सत्र – IV

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ :** 60

1.7 **प्रस्तावना :-**

किसी रचना के भाव , विचार एवं मूल्य उदघाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अनिवार्य है। काव्यशास्त्र के अध्ययन से एक ऐसी दृष्टि विकसित होती है , जिसके आधार पर साहित्य के मर्म एवं मूल्य को परखा जा सकता है । सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने और जांचने – परखने के लिए भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशस्त्र का अध्ययन आवश्यक है ।

विरेचन से कला और साहित्य के द्वारा हमारे दूषित मनोविकारों का उचित रूप से परिष्कार होता है । सफल त्रासदी विरेचन द्वारा करुणा और त्रास के भावों को उदभुद करती है , उनका सामंजस्य करती है और इस प्रकार आनंद की भूमिका प्रस्तुत करती है। अत: मनुष्य के मन में निहित मनोविकारों को दूर करना केवल विरेचन से संभव होता है तो इसका अध्ययन भी आवश्यक है ।

1,2 **पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-**

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास से परिचित कराना ।

2 पाश्चात्य चिंतकों और उनके द्वारा स्थापित सिद्धांतों से अवगत कराना ।

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्रों को रूबरू कराना ।

4 काव्यशास्त्र को लेकर पाश्चात्य चिंतन से परिचित कराना ।

5 विरेचन सिद्धांत की अवधारणा से परिचित कराना ।

1.3 **पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-**

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास से परिचित होते है ।

2 पाश्चात्य चिंतकों और उनके द्वारा स्थापित सिद्धांतों से अवगत हो जाते हैं।

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्र रूबरू होते हैं।

4 काव्यशास्त्र को लेकर पाश्चात्य चिंतन से परिचय प्राप्त करते है।

5 विरेचन सिद्धांत से साहित्य की अवधारणा से परिचित होते है ।

1.4 **पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-**

साहित्य :-

1 छात्रों में पाश्चात्य काव्यशस्त्र के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र में निहित अवधारणा से चिंतन करने क्षमता बढेगी ।

3 छात्रों को विरेचन सिद्धांत से साहित्य का निष्पक्ष भाव बढाने मदद मिलेगा ।

4 छात्रों में निहित मनोविकारों को दूर करने में मदद मिलेगा ।

भाषा :-

1 छात्र में पाश्चात्य काव्यशास्त्र से चिंतन शक्ति में वृद्धि होकर उसका उपयोग साहित्य में निहित विभिन्न अंगो को जांच-परख करने में उपयोग करने की शक्ति बढेगी ।

2 छात्र किसी भी रचना को समीक्षा करने में सक्षम होगा ।

3 छात्र साहित्य का अध्ययन , चिंतन , विश्लेषण करने सक्षम होगा ।

4 छात्र साहित्य का अध्ययन निष्पक्ष भाव से करने में सक्षम होगा ।

1.5 **पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-**

1 छात्रों को विभिन् समिक्षात्मक पद्धति सीखने में मदद होगी ।

2 छात्र विभिन्न पाश्चात्य चिंतकों तथा उनके अवधारणा से अवगत होगा ।

3 छात्रों में निष्पक्ष भाव बढाने में मदद मिलेगी ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

HCT (4.2) Paper No- XVII

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

पाठयक्रम संरचना (Course Structure)

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
IV	XVII	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	60	20	80	100	05
कुल (Total)	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XVII :काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन **(CBCS)**

(To be introduced from June 2022)

MAHN24C0722

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई - 1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र , रस सिद्धांत Credits 01

विरेचन सिद्धांत

इकाई -2 उदात्त सिद्धांत और कल्पना सिद्धांत Credits 01

इकाई -3 अभिव्यंजनावाद, निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता का सिद्धांत Credits 01

इकाई - 4 मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद एवं संप्रेषण सिद्धांत , हिन्दी आलोचना : सिद्धांत तथा प्रकार Credits 01

संदर्भ सूची :-

1 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र नई प्रवृत्तियाँ – राजनाथ शर्मा

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा – सं . सावित्री सिन्हा

4 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

5 पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

6 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ दीक्षित

7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

HCT (4.2) Paper No- XVII : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय :

इकाई – I

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

2 अनुकरण सिद्धांत :

- ☛ अनुकरण सिद्धांत का स्वरूप
- ☛ प्लेटो और अरस्तु के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना
- ☛ विरेचन सिद्धांत

इकाई:II

1 -: **उदात्त सिद्धांत**

- ☛ उदात्त का अर्थ एवं स्वरूप
- ☛ उदात्त के तत्व – अंतरंग एवं बहिरंग तत्व
- ☛ उदात्त के विरोधी तत्व

2 -: **कल्पना सिद्धांत**

- ☛ कल्पना सिद्धांत की भूमिका, काव्य कला की उत्पत्ति , कल्पना शब्द का अर्थ ।
- ☛ कल्पना के भेद – मुख्य और गौण कल्पना ।
- ☛ कल्पना और रम्य कल्पना में अंतर ।

इकाई III

1**अभिवव्यंजनावाद :**

- ☛ क्रोचे की कलाविषयक धारणा।
- ☛अंत:प्रज्ञाऔर अभिव्यंजना का नित्य संबंध।
- ☛ अभिव्यंजना और कला का संबंध
- ☛ क्रोचे के अनुसार कला निष्पति की प्रक्रिया।

2 निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत

- ☛ इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा , परिवर्तित धारणा
- ☛ व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण
- ☛ वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप

इकाई IV

1 -: **मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद एवं संप्रेषण सिद्धांत**

अ काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या

ब मनोवेगों के दो प्रकार

क मनोवेगों में संतुलन

ड संप्रेषण का स्वरूप और महत्व ।

2हिन्दी आलोचना : सिद्धांत तथा प्रकार

1 शास्त्रीय आलोचना 2 ऐतिहासिक आलोचना 3 मनोवैज्ञानिक आलोचना 4 प्रगतिवादी आलोचना 5 स्त्रीवादी आलोचना 6 आंबेडकरवादी आलोचना

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XVII :काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन **(CBCS)**

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{ अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक - 80**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: १ -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:२ -	टिप्पणियाँ (३ में से २) ।	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न: ३ -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न	(16)
	अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1)	
	ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	
प्रश्न:- ४-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न	(16)
	(अंतर्गत विकल्प के साथ)	
प्रश्न: ५ -	निबंधवत प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – III (Hindi)

Subject: Anusandhan Pravidhi Aur Prakriya

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II , सत्र- III

प्रश्नपत्र क्रं. – XIII अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

प्रस्तावना :-

मनुष्य विकास के विभिन्न पडाव को जब हम देखते है तो यह अनुभव करते है कि मनुष्य अपने प्रारंभिक अवस्था से जिज्ञासु रहा है । जिसने आदिम अवस्था से आजतक विभिन्न पडावों से गुजरते हुए एक विशिष्ट मुकाम प्राप्त किया है। जीवन उपयोगी सभी भौतिक वस्तुओं का संकलन करते हुए निरंतर नये ज्ञान की प्राप्ति वह करता हुआ दिखाई देता है । इन सभी के पीछे उसकी शोधवृत्ति ही प्रमुख रही है । प्रस्तुत प्रश्नपत्र अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया के अंतर्गत अनुसंधान प्रविधि तथा प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चिंतन किया जा रहा है ।

अनुसंधान के प्रतिपादन में तथ्यों का संकलन , परीक्षण और सही उपयोग अनिवार्य है। सत्य की प्रतिष्ठा के लिए यह एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा शोध की अथ और इति को मिलाया जाता है । तथ्यों को प्रमाणिकता की तुला पर तौलकर जब शोधार्थी लक्ष्योंमुख होता है तो उसकी निष्ठा , प्रतिभा और कौशल का योग तथ्य में से सत्य की स्थापना करता है । तथ्य सत्य की जानकारी के लिए आवश्यक होता है इसलिए इसका अध्ययन आवश्यक है ।

पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 छात्रों को अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया परिचित कराना ।

2 अनुसंधान की पद्धती से परिचित कराते हुए अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना ।

3 साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराना ।

4 अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्व एवं उसकी उपयोगिता छात्रों को अवगत कराना ।

5 अनुसंधान के क्षेत्र में तथ्यों का उपयोग के बारे में अवगत कराना ।

1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-

1 छात्र अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित हो जाते है ।

2 अनुसंधान की पद्धति को समझकर अनुसंधान करने हेतु छात्र सक्षम होते हैं।

3 साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत होते हैं।

4 अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्व एवं उसकी उपयोगिता को समझते है।

5 अनुसंधान में तथ्यों की उपयोगिता को समझते है ।

1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-

साहित्य :-

1 छात्रों में अनुसंधान की प्रक्रिया एवं प्रविधि के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्रों में अनुसंधान करने की क्षमता बढेगी ।

3 छात्र अनुसंधान करते समय संगणक का उपयोग करने की रुचि बढेगी।

4 छात्रों में अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग करने की क्षमता बढेगी ।

भाषा :-

1 छात्र में अनुसंधान करने शक्ति बढेगी ।

2 छात्रों में अनुसंधान की पद्धतियों का प्रयोग करने की शक्ति बढेगी

3 छात्र अनुसंधित विषय को न्याय प्रदान करने में सक्षम होगा ।

4 छात्रों में अनुसंधित विषयों में तथ्यों का उपयोग करते हुए सत्य को उदघाटित करने की क्षमता बढेगी ।

1.5 पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-

1 छात्रों को विभिन् अनुसंधान पद्धति एवं प्रक्रिया सीखने में मदद होगी ।

2 छात्र अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र से अवगत होगा ।

3 छात्र अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का उपयोग की क्षमता से अवगत होगा ।

4 छात्रों में शोध कार्य में तथ्यों के उपयोग से अवगत होगा ।

1.6 प्रवेश योग्यता :- एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

HCT (3.3)Paper- XIII

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

Credits: Theory-05 Contact Hours: 60

Course Structure

सत्र (**Semester**)	प्रश्नपत्र (**Paper**)	प्रश्नपत्र का नाम (**Title of Paper**)	नियत तासिकाएँ **Number of Lectures (Theory)**	अंतर्गत मूल्यांकन **Internal Evaluation (IE)**	सत्रांत मूल्यांकन **End Semester Evaluation (ESE)**	कुल अंक **Total Marks**	श्रेयांक **Credits**
III	XIII	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	60	20	80	100	05
कुल (**Total**)	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र-** III)

अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

HCT (3.3)Paper- XIII

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

MAHN23CO322

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई -1 अनुसंधान का अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप , Credits 01

- ☛ अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग

इकाई -2 अनुसंधान की पद्धतियाँ : Credits 01

इकाई -3 अनुसंधान की प्रक्रिया : Credits 01

इकाई - 4 अनुसंधान और आलोचना Credits 01

संदर्भ सूची :-

1 हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल

2 शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा

3 शोध प्रविधि – डॉ हरिश्चंद्र वर्मा

4 अनुसंधान विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह

5 अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया – एस. एन. गणेशन

6 साहित्य सिद्धांत और शोध – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित

7 शोध विज्ञान कोश – डॉ. दु . का. संत

8 नवीन शोध विज्ञान – डॉ. तिलक सिंह

9 अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेंद्र स्नातक

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र-** III)

HCT (3.3)Paper- XIII : **अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया** Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय :

इकाई - I

- अनुसंधान का अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप
- अनुसंधान का प्रयोजन
- अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग
- अनुसंधान के प्रकार –

1 साहित्यिक अनुसंधान 2 साहित्येत्तर अनुसंधान

इकाई:II

- अनुसंधान की पद्धतियाँ :

1 वर्णनात्मक 2 ऐतिहासिक 3 तुलनात्मक

- अनुसंधान कर्ता के गुण
- शोध निर्देशक के गुण

इकाई III

- अनुसंधान की प्रक्रिया :

1 विषय चयन 2 सामग्री संकलन 3 सामग्री का विश्लेषण 4 निष्कर्ष

- अनुसंधान और कंपयूटर
- शोध प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध शीर्षक , रूपरेखा , भूमिका लेखन , अध्याय विभाजन , संदर्भ उल्लेख , सहायक ग्रंथ सूची , टंकन , वर्तनी सुधार

इकाई IV

- अनुसंधान और आलोचना
- अनुसंधान और कविता
- अनुसंधान और कथा साहित्य
- अनुसंधान और कथेतर साहित्य
- अनुसंधान और तुलनात्मक साहित्य

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- III)

प्रश्नपत्र-XIII :अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक - 80**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न:2 -	टिप्पणियाँ (३ में से २) ।	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न: 3 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न	(16)
	अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1)	
	ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	
प्रश्न:- 4-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न	(16)
	(अंतर्गत विकल्प के साथ)	
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – IV (Hindi)

Paper No- XVIII

Subject: Diseratation

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II सत्र – IV

Disertation

(लघु शोध प्रबंध लेखन प्रात्यक्षिक)

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ :** 60

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

Disertation

HCT (4.3) Paper No- XVIII

Revised Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ :** 60

पाठयक्रम संरचना (Course Structure)

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
IV	XVIII	**Disertation**	60	20	80	100	05
कुल (**Total**)	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XVIII :Disertation (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

MAHN24C0822

Credits: Practical -05 Contact Hours: 60

☛ छात्र चयनित विषय पर शोध कार्य करेगा जिसमें 80 अंक लघुशोध प्रबंध लेखन और 20 अंक प्रस्तुतिकरण के लिए कुल अंक – 100 अंक का यह प्रश्नपत्र रहेगा ।

तुलनात्मक रूपरेखा: सत्र- चतुर्थ (Comparative Chart: Semester IV)

पु.अ.हो.सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर का पाठयक्रम (Syllabus of P.A.H. Solapur University, Solapur)	वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स सोलापुर का पाठयक्रम (Syllabus of Walchand College of Arts and Science, Solapur)
Disertation	Disertation

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – III (Hindi)

Subject: Hindi Natak Aur Rangmanch

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II , सत्र- III

प्रश्नपत्र क्रं. – XIV B : हिंदी नाटक और रंगमंच

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

1.8 **प्रस्तावना :-**

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है । यह दृक एवं श्रव्य दोंनो रुपों को समेटे हुए है । पाठक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके दर्शक एवं पाठक दोंनो के मनोरंजन के साथ-साथ समाज निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करता है । वह अपने साध्य मेन दृक माध्यम होने के कारण सीधे रंगमंच से जुडा है। नाटक में समस्त कलाओं का निर्वाह हम देखते है । नाटक को अन्य कलाओं के साथ ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते है । इसमें नाटककार , अभिनेता , संगीत , दृश्य विधान , वेशभूषाकार आदि सभी का रचनात्मक सहयोग होता है । जीवन की विसंगतियों की प्रकट रूप में प्रस्तुति होने के कारण इस सशक्त माध्यम का अध्ययन छात्रोपयोगी एवं अनिवार्य है ।

नाटक मनुष्य के भाव साधारणीकरण का महत्वपूर्ण साधन है। नाटक की संकल्पना दर्शक (समाज) के जागृति का प्रमुख साधन है। नाटक और उसके दृष्टिपात संसाधनों से मनुष्य जीवन में एक नए युग की शुरुआत देखी जाती है।नाटक के इसी साधारणीकरण से अवगत कराना इस पाठ्य का मूलोद्देश्य है।

पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 छात्रों को नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना ।

2 छात्रों को नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचित कराना ।

3 छात्रों को हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित कराना ।

4 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टी विकसित कराना ।

5 छात्रों को नाट्योपभाव से अवगत कराना।

6 छात्रों को नाटक के निर्माण के तथ्य से अवगत कराना।

1.3 **पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-**

1 छात्र नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित होंगे ।

2 छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचित होंगे ।

3 छात्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित होंगे ।

4 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी ।

5 छात्रों को भारतीय नाट्याभिव्यक्ति से अवगत होंगे।

6 छात्रों को नाट्य दृष्टि और भाव दृष्टि से अवगत होंगे।

1.4 **पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-**

साहित्य :-

1 छात्रों में नाटक के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र हिंदी नाटक और रंगमंच के परिचय प्राप्त करने की क्षमता बढेगी ।

3 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की क्षमता बढेगी ।

4 छात्रों में नाट्य सृष्टि और भाव दृष्टि विकसित होने की क्षमता बढेगी ।

भाषा :-

1 छात्र में नाटक का स्वरूप और संरचना समझने में सक्षम होगा ।

2 छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच समझने में सक्षम होगा ।

3 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन करने की क्षमता बढेगी ।

4 छात्र नाट्याभिव्यक्त भाषा समझने में सक्षम होगा ।

1.5 **पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-**

1 छात्रों को नाटक और संरचना सीखने में मदद होगी ।

2 छात्र नाटक और रंगमंच के विकास की अवधारणा से अवगत होगा ।

3 छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच के विकास की अवधारणा से अवगत होगा ।

4 छात्र में नाट्य स्वादन और मूल्यांकन की क्षमता से अवगत होगा ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

हिन्दी नाटक और रंगमंच

DSE (3.2)Paper- XIV B

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

Credits: Theory-05 Contact Hours: 60

Course Structure

सत्र **(Semester)**	प्रश्नपत्र **(Paper)**	प्रश्नपत्र का नाम **(Title of Paper)**	नियत तासिकाएँ **Number of Lectures (Theory)**	अंतर्गत मूल्यांकन **Internal Evaluation (IE)**	सत्रांत मूल्यांकन **End Semester Evaluation (ESE)**	कुल अंक **Total Marks**	श्रेयांक **Credits**
III	XIV B	हिन्दी नाटक और रंगमंच	60	20	80	100	05
कुल **(Total)**	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र-** III)

हिन्दी नाटक और रंगमंच

DSE (3.2)Paper- XIV B

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

MAHN23O04B22

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई -1 नाटक : सैद्धांतिक परिचय : ☛ नाटक : संकल्पना एवं स्वरूप Credits 01

इकाई -2 **रंगमंच का स्वरूप :** Credits 01

इकाई -3 **निर्धारित नाटक :** एक सत्य हरिश्चंद्र – लक्ष्मीनारायण लाल । Credits 01

इकाई - 4 **निर्धारित नाटक :** एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष । Credits 01

संदर्भ सूची :-

1 नाटक और रंगमंच – सं. गिरीश रस्तोगी

2 हिन्दी नाटक और रंगमंच – प्र. सं. गिरीश्वर मिश्र

3 रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन

4 हिन्दी नाटक उदभव और विकास – दशरथ ओझा

5 नाट्य चिंतन और रंगदर्शन अंत: संबंध – गिरीश रस्तोगी

6 भारतीय नाट्य परंपरा और डॉ लाल तथा विजय तेंडुलकर के नाटक – डॉ. नानासाहेब जावळे

7 फारसी हिन्दी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल

8 एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष

9 नाट्यशास्त्र – राधावल्लभ त्रिपाठी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र**- III)

DSE (3.2)Paper- XIV B : **हिन्दी नाटक और रंगमंच** Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय:

इकाई - I

नाटक : सैद्धांतिक परिचय :

- नाटक : संकल्पना एवं स्वरूप
- नाटयोत्पत्ति संबंधी विभिन्न चिंतन
- नाटक की विधागत विशेषताएँ ।
- एकांकी नाटक , गीति नाट्य और नुक्कड नाटक का स्वरूप ।

इकाई:II

रंगमंच का स्वरूप :

- रंगमंच की परिकल्पना , व्याख्या , प्रकृति तथा स्वरूप ।
- प्रदर्शन की विभिन्न इकाइयाँ – मंचन , प्रदर्शन , प्रस्तुति ।
- रंगशिल्प और रंग संप्रेषण के विभिन्न नाटक ।
- नाटक और रंगमंच का अंत: संबंध ।

इकाई III

निर्धारित नाटक :

एक सत्य हरिश्चंद्र – लक्ष्मीनारायण लाल ।

- कथ्यगत अध्ययन ।
- रंगमंचीय अध्ययन ।
- तात्विक अध्ययन ।

इकाई IV

निर्धारित नाटक :

एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष

- कथ्यगत अध्ययन ।
- रंगमंचीय अध्ययन ।
- तात्विक अध्ययन ।

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- III)

प्रश्नपत्र- XIV B : हिन्दी नाटक और रंगमंच (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक** - 80

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न:2 -	टिप्पणियाँ (३ में से २) ।	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न: 3 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न	(16)
	अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1)	
	ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	
प्रश्न:- 4-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न	(16)
	(अंतर्गत विकल्प के साथ)	
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – IV (Hindi)

Paper No- XIX B

Subject: हिन्दी नाटक और रंगमंच

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II सत्र – IV

हिन्दी नाटक और रंगमंच

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

प्रस्तावना :-

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है । यह दृक एवं श्रव्य दोंनो रुपों को समेटे हुए है । पाठक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके दर्शक एवं पाठक दोंनो के मनोरंजन के साथ-साथ समाज निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करता है । वह अपने साध्य मेन दृक माध्यम होने के कारण सीधे रंगमंच से जुडा है। नाटक में समस्त कलाओं का निर्वाह हम देखते है । नाटक को अन्य कलाओं के साथ ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते है । इसमें नाटककार , अभिनेता , संगीत , दृश्य विधान , वेशभूषाकार आदि सभी का रचनात्मक सहयोग होता है । जीवन की विसंगतियों की प्रकट रूप में प्रस्तुति होने के कारण इस सशक्त माध्यम का अध्ययन छात्रोपयोगी एवं अनिवार्य है ।

नाटकीय आलोचना छात्र दिशादृष्टि को नया पथ प्रदान करने में सहयोग करता है।एक नाटक समाज की दिशा को उसके स्थिति को अंकित करता है। अगर ऐसे में एक छात्र को साहित्य परखने की दृष्टि अआलोच्य स्वरूप प्राप्त हो जाए तो , समाज-साहित्य का पथदर्शक बनाने में सहयोग लेते बनेगा। और आलोच्य दृष्टि से समाज निर्माण का मार्ग भी सहज होगा।

1,2 पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 छात्रों को नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना ।

2 छात्रों को नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचित कराना ।

3 छात्रों को हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित कराना ।

4 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टी विकसित कराना ।

5 छात्रों में साहित्यिक कला दृष्टि को विकसित करना।

6 छात्रों में अभिव्यक्त भाषा की संचेतना से अवगत करना।

7 छात्रों में रसास्वाद और भावास्वाद की आलोच्य दृष्टि से अवगत कराना।

1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-

1 छात्र नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित होंगे ।

2 छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचित होंगे ।

3 छात्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित होंगे ।

4 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी ।

5 छात्रों में नाट्यकला की दृष्टि विकसित होगा ।

6 छात्रों में भाव और भाषा के अंतर्संबंध से परिचित होगा।

1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-

साहित्य :-

1 छात्रों में नाटक के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र हिंदी नाटक और रंगमंच के परिचय प्राप्त करने की क्षमता बढेगी ।

3 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की क्षमता बढेगी ।

4 छात्रों में नाट्य सृष्टि और भाव दृष्टि विकसित होने की क्षमता बढेगी ।

5 छात्रों को नाटकीय आलोचना से साहित्यिक विविधांगी स्वरूप की क्षमता बढेगी ।

भाषा :-

1 छात्र में नाटक का स्वरूप और संरचना समझने में सक्षम होगा ।

2 छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच समझने में सक्षम होगा ।

3 छात्रों में नाट्यस्वादन और मूल्यांकन करने की क्षमता बढेगी ।

4 छात्र नाट्याभिव्यक्त भाषा समझने में सक्षम होगा ।

5 नाट्यभाषा और नाट्य आलोचना के अंत संबंध से साहित्यिक अन्य विधाओं के भावभाषा- करने सक्षम होगा।

1.5 पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-

1 छात्रों को नाटक और संरचना सीखने में मदद होगी ।

2 छात्र नाटक और रंगमंच के विकास की अवधारणा से अवगत होगा ।

3 छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच के विकास की अवधारणा से अवगत होगा ।

4 छात्र में नाट्य स्वादन और मूल्यांकन की क्षमता से अवगत होगा ।

5 छात्र नाट्यभाषा तथा आलोचना के अंत: संबध में साहित्यिक की अन्य विधाओं से अवगत होगा ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

हिन्दी नाटक और रंगमंच

DSE (4.2) Paper No- XIX B

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ** : 60

पाठयक्रम संरचना (Course Structure)

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
IV	XIX B	हिन्दी नाटक और रंगमंच	60	20	80	100	05
कुल (Total)	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XIX B :हिन्दी नाटक और रंगमंच **(CBCS)**

(To be introduced from June 2022)

MAHN24C0722

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई - 1 हिन्दी नाटक : परंपरा और विकास Credits 01

इकाई -2 **हिन्दी रंगमंच :** Credits 01

☛ नाटकीय आलोचना

इकाई -3 **निर्धारित नाटक :** आधे- अधूरे – मोहन राकेश Credits 01

इकाई - 4 **निर्धारित नाटक :** कोर्ट मार्शल – स्वदेश दीपक Credits 01

संदर्भ सूची :-

1 नाटक और रंगमंच – सं. गिरीश रस्तोगी
2 हिन्दी नाटक और रंगमंच – प्र. सं. गिरीश्वर मिश्र
3 रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन
4 हिन्दी नाटक उदभव और विकास – दशरथ ओझा
5 नाट्य चिंतन और रंगदर्शन अंत: संबंध – गिरीश रस्तोगी
6 भारतीय नाट्य परंपरा और डॉ लाल तथा विजय तेंडुलकर के नाटक – डॉ. नानासाहेब जावळे
7 फारसी हिन्दी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
8 एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष
9 नाट्यशास्त्र – राधावल्लभ त्रिपाठी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

DSE (4.2) Paper No- XIX B : **हिन्दी नाटक और रंगमंच** Syllabus (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय :

इकाई – I

हिन्दी नाटक : परंपरा और विकास

- हिन्दी नाटक का उदभव एवं विकास
- प्रसाद पूर्व नाटक , प्रसाद युगीन नाटक , प्रसादोत्तर नाटक , समकालीन नाटककार ।
- पारसी रंगमंच
- हिन्दी नाट्य चिंतन : भारतेंदु हरिश्चंद्र , जयशंकर प्रसाद , मोहन राकेश

इकाई:II

हिन्दी रंगमंच :

- हिन्दी रंगमंच का विकासक्रम
- हिंदी रंगमंच के विकास में अनुदित नाटकों की भूमिका।
- रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ ।
- रंगभाषा ।
- नाटकीय आलोचना

इकाई III

निर्धारित नाटक :

आधे- अधूरे – मोहन राकेश

- कथ्यगत अध्ययन
- रंगमंचीय अध्ययन
- तात्विक अध्ययन

इकाई IV

निर्धारित नाटक :

कोर्ट मार्शल – स्वदेश दीपक

- कथ्यगत अध्ययन
- रंगमंचीय अध्ययन
- तात्विक अध्ययन

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)
एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)
प्रश्नपत्र-XIX B :हिंदी नाटक और रंगमंच (CBCS)
(To be introduced from June 2022)
सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)
{ अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक - 80**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: १ -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:२ -	टिप्पणियाँ (३ में से २) ।	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न: ३ -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न	(16)
	अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1)	
	ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	
प्रश्न:- ४-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न	(16)
	(अंतर्गत विकल्प के साथ)	
प्रश्न: ५ -	निबंधवत प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – III (Hindi)

Subject: Film Mimansa

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II , सत्र- III

प्रश्नपत्र क्रं. – XV B फिल्म मीमांसा

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ :** 60

1.9 प्रस्तावना :-

फिल्म जनसंचार एवं मनोरंजन का महत्वपूर्ण माध्यम है। जिस तरह साहित्य का समाज के साथ संबंध है उसी तरह फिल्म मेन भी समाज प्रतिबिंबित होता है। जितना प्रभावित समाज को साहित्य करता है उतने ही फिल्म में प्रेमचंद जैसे रचनाकारों ने उसके महत्व को समझा था । वह स्वयं साहित्य के साथ-साथ फिल्मों से भी जुडना चाहते थे ।उनके अनुसार फिल्म के माध्यम अनपढ एवं पढे लिखे लोगों तक पहुंचा जा सकता है । कमलेश्वर जैसे रचनाकार ने उसी बात को समझते हुए फिल्मों में समांतर आंदोलन चलाया और उसे समाज के साथ जोडा । आज भी कई सारी फिल्में सामाजिक दायित्वों को निभाती है । हिन्दी में ऐसे कई फिल्मों का निर्माण हुआ जिन्होने राजनीतिक , सामाजिक , आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रश्नों को समाज के सामने रखते हुए उसे दिशा दर्शन भी किया । इसलिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को लेकर फिल्मों को अध्ययन के लिए रखा गया है ।

वर्तमान युग विज्ञान एवं तकनीकी का युग है । फिल्म मनुष्य भावनाओं से समस्त विकास का नाम है । जैसे-जैसे मनविकी भावनाओं में परिवर्तन होता हुआ देखा गया वैसे-वैसे भावनाओं के स्पष्टीकरण के साधनाओं में भी परिवर्तन होता हुआ देखा जा सकता है , उसका मुख्याधार आद्य से फिल्म भी रहा है । मूक फिल्म से लेकर फिल्मी रपतार के उपकरणो को व्यक्त करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है ।

पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 हिंदी फिल्म का उदभव और विकास जानना ।

2 फिल्म निर्मिति प्रक्रिया को समझना ।

3 तीनों फिल्म निर्मिति एवं पात्रों का परिचय प्राप्त करना ।

4 फिल्मों में सामाजिक विभिन्न पक्षो को समझना ।

5 छात्रों को उपकरणो के माध्यम से व्यक्त मानवी भावनाओं का आधार समझाना ।

6 छात्रों को फिल्मों में उपयोगित उपकरणो के महत्व से अवगत कराना ।

1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-

1 हिंदी फिल्म का उदभव और विकास को समझा है ।

2 फिल्म निर्मिति प्रक्रिया को समझ गये है ।

3 तीनों फिल्म निर्मिति एवं पात्रों से परिचित हुए है ।

4 फिल्मों में आए सामाजिक विभिन्न पक्षो को समझा है ।

5 छात्रों में भाव स्पष्टीकरण में सहयोगित उपकरणो के उपादेय समजाना ।

6 छात्रों में नई फिल्मी कलादृष्टि से परिचित कराना ।

1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-

साहित्य :-

1 छात्रों में हिंदी फिल्म का उदभव और विकास जानने में सक्षम होगा।

2 फिल्म निर्मिति प्रक्रिया को समझने की क्षमता बढेगी ।

3 फिल्मों में आए सामाजिक विभिन्न पक्षो को समझने की शक्ति विकसित होगी ।

5 छात्रों में भाव स्पष्टीकरण में सहयोगित उपकरणो के उपादेय समझने की क्षमता बढेगी ।

6 छात्रों में नई फिल्मी कलादृष्टि समझने की क्षमता बढेगी।

भाषा :-

1 छात्र में हिंदी फिल्म निर्माण में सक्षम होने का प्रयास करेगा ।

2 छात्र किसी भी फिल्म को समीक्षा करने में सक्षम होगा ।

3 वैश्विकरण के रुप में फिल्मों से जुडी भाव और अभिव्यक्त भाषा रूप को जानने क्षमता बढेगी ।

1.5 पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-

1 छात्रों को फिल्म निर्माण सीखने में मदद होगी ।

2 छात्र फिल्म विकास , निर्माण की प्रक्रिया की अवधारणा से अवगत होगा ।

3 छात्र फिल्मी कथा तथा उपकरणो से अवगत होगा ।

1.6 प्रवेश योग्यता :- एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- तृतीय)

फिल्म मीमांसा

OET (3.2)Paper- XV B

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

Credits: Theory-05 Contact Hours: 60

Course Structure

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
III	XV B	फिल्म मीमांसा	60	20	80	100	05
कुल (Total)	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र-** III)

फिल्म मीमांसा

OET (3.2)Paper- XV B

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2021)

MAHN23O5B22

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई -1 हिन्दी फिल्म का उदभव और विकास Credits 01

☛ फिल्मी कथा और उपकरण का अंत: संबंध

इकाई -2 ओ माय गॉड – उमेश शुक्ला , निर्देशक Credits 01

इकाई -3 दंगल – नितेश तिवारी , निर्देशक Credits 01

इकाई - 4 तारे जमीन पर – आमिर खान , निर्देशक Credits 01

संदर्भ सूची :-

1 सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा

2 बहुआयामी हिन्दी सिनेमा भाग – 1 डॉ. लखन रघुवंशी , डॉ. सोनाली नरगुंदे

3 भारतीय सिनेमा का सफरनामा – सं. पुनीत बिसारिया

4 हिन्दी सिनेमा : सार्थकता की तलाश – प्रकाश कांत

5 नये दौर का नया सिनेमा – प्रियदर्शन

6 हिन्दी सिनेमा एक अध्ययन – राजेश कुमार

7 बॉलीवुड पाठ विमर्श के संदर्भ में – ललित जोशी

8 विषय चलचित्र – सत्यजित रे

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- II (**सत्र**- III)

OET (3.2)Paper- XV B : **फिल्म मीमांसा** Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय:

इकाई - I

- हिन्दी फिल्म का उदभव और विकास
- फिल्म निर्मिती प्रक्रिया
- फिल्मी कथा और उपकरण का अंत: संबंध

इकाई:II

ओ माय गॉड – उमेश शुक्ला , निर्देशक

- निर्मिति एवं पात्र
- संजीक विभिन्न अंग

इकाई III

दंगल – नितेश तिवारी , निर्देशक

- निर्मिति एवं पात्र
- सामाजिक विभिन्न अंग

इकाई IV

तारे जमीन पर – आमिर खान , निर्देशक

- निर्मिति एवं पात्र
- सामाजिक विभिन्न अंग

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- III)

OET (3.2) Paper- XV B : फिल्म मीमांसा (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक** - 80

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:2 -	टिप्पणियाँ (३ में से २) । (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न: 3 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1) ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	(16)
प्रश्न:- 4-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	(16)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)

ll शिक्षण हाच धर्म ll

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्यांक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

पाठयक्रम

Choice Based Credit System

Name of the Faculty: Humanities

Name of the Course: M.A. Part II Sem – IV (Hindi)

Paper No- XX B

Subject: दलित एवं आदिवासी साहित्य

With effect from 2022-23

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) :- वैश्विक स्तर पर मान्यता स्वीकार्यत: सुनिश्चित करने के दृष्टि से स्नातक स्तरीय उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के लिए समस्तरीय (Horizontal) और उदग्र (Vertical) परिवर्तनियता (Mobility) के लिए वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स, सोलापुर ने स्नातकोत्तर स्तर पर चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) को लागू किया है । चयनाधारित श्रेय प्रणाली विद्यार्थियों को मूलभूत , वैकल्पिक / सामान्य या कौशल्याधारित निर्धारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन का अवसर प्रदान करती है । पाठयक्रमों का मूल्यांकन श्रेय प्रणाली का अनुसरण करते हुए किया जा सकता है जिसे पारंपरिक अंक प्रणाली से बेहतर माना जाता है । इसलिए भारतीय स्तर पर संपूर्ण उच्च शिक्षा में एकसमान श्रेय प्रणाली का अवलंब करना आवश्यक है । इससे विद्यार्थी भारतवर्ष और अन्य देशों की संस्थाओं में आगे बढने का लाभ उठा सकेंगे। एकीकृत (Uniform) श्रेय प्रणाली संभावित नियुक्ताओं को भी उम्मीद्वारों के प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगी । इसी के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता और गणना करना संचयी ग्रेड मूल्यांकन प्रणाली (CGPA) के आधार पर विद्यार्थियों का परीक्षाओं में प्रदर्शन देखा जा सकता है ।

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS) की रूपरेखा :-

1 . **मूलभूत पाठयक्रम :-** जिस पाठयक्रम को उम्मीद्वार द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्य आवश्यकता के रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए उसे मूलभूत पाठयक्रम कहा जाता है ।

2 . **वैकल्पिक पाठयक्रम :-** सामान्यत; एक पाठयक्रम जो पाठयक्रम के समूह(Pool) में से चुना जा सकता है और बहुत विशिष्ट या विशिष्ट या उन्नत या अध्ययन के विषय के लिए सहायक हो सकता है जो एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है या जो कुछ के लिए प्रोत्साहित (Exposure) होने में सक्षम बनाता है। अन्य अनुशासन / विषय / ज्ञानक्षेत्र या उम्मीद्वार की दक्षता / कौशल का पोषण करता है । उसे वैकल्पिक पाठयक्रम कहा जाता है।

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम(DSE) :- अध्ययन के मुख्य विषय / विषय द्वारा वैकल्पिक पाठयक्रम पेश किए जा सकते हैं जिन्हें अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठयक्रम कहा जाता है ।

3. **योग्यता वृद्धि पाठयक्रम (AEC) ;-** क्षमतावृद्धि (AE) पाठयक्रम दो प्रकार के हो सकते है : क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)सामग्री पर आधारित पाठयक्रम (SEC) । क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC) सामग्री पर आधारित पाठयक्रम जो ज्ञानवृद्धि की ओर ले जाते है : 1. पर्यावरण विज्ञान और 2 . हिंदी / संवाद कौशल ये सभी विषयों के लिए अनिवार्य है । कौशलवृद्धि (SEC) पाठयक्रम मूल्याधारित और / या कौशल्याधारित है औ व्यावहारिक प्रशिक्षण दक्षता , कौशल आदि प्रदान करना इसका उद्देश्य है ।

श्रेयांक (Credit) :- श्रेयांक एक संख्यात्मक मूल्य / मान है। जो एक पाठयक्रम इकाई को पूरा करने के लिए छात्रों के कार्यभार (व्याख्यान , प्रयोगशाला , प्रात्याक्षिक , संगोष्ठी , टयूटोरियल , क्षेत्र कार्य आदि) को इंगित करता है । अधिकांश विश्वविद्यालय में 15 संपर्क तासिकाओं के लिए एक श्रेयांक (Credit) गठित किया जाता है। संपर्क तासिकाएँ श्रेयांक में बदल जाती है । इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन की श्रेयांक प्रणाली शुरू की गई है जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं। **विद्यार्थी को शैक्षिक वर्ष के दौरान 40 अंको का अंतर्गत मूल्यांकन और 160 अंको के लिए अंतिम सत्र परीक्षा में उपस्थित रहना होगा।**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

हिंदी विभाग

एम. ए. भाग- II सत्र – IV

दलित एवं आदिवासी साहित्य

क्षमतावृद्धि अनिवार्य पाठयक्रम (AECC)

चयनाधारित श्रेय प्रणाली (CBCS)

सन 2022 से लागू ....

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ : 60**

1.10 प्रस्तावना :-

भारतीय मनुवादी वर्णव्यवस्था और सदियों से अस्पृश्यता का शिकार भारतीय दलित एवं आदिवासी समाज आजादी के बाद एक नए सामाजिक परिवर्तन के कारण बडी मजबूती से खडा हुआ है। सदियों की प्रताडना , उपेक्षा , सवर्णो द्वारा शोषित और सामंतवादी मानसिकता से जूझते इस अभिशप्त वर्ग ने अपने अधिकरों के लिए आज आर-पार की लडाई शुरू की है जिससे अपने बलबूते पर अपने मूल्यों पर इसे सर्वथा नई पहचान एवं सम्मान मिले ।

पिछले दशकों में साहित्य से लेकर राजनीति तक समाज के वंचित तबकों की आवाज मुखर हुई है साहित्य के क्षेत्र में आदिवासी, दलित , नारी और किन्नर विमर्श इसी का प्रतिफल है हिन्दी में पहले यह छुट-पुट रूप में था आज एक नए विमर्श के रूप में सामने आए ही नही तो अपना एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है । संस्कृति एवं साहित्य में नए विमर्श और प्रस्थान बिंदु कों लेकर दलित और आदिवासी लेखकों ने अपनी रचनाओं को मुखर किया है । यह साहित्य आदिवासी और दलित वर्ग के जीवन की यातना , पीडा , आक्रोश , प्रतिरोध और संघर्ष की संवेदना प्रकट करता है ।

दलित साहित्य ही फुले-आंबेडकर जी के विचार से प्रेरित रही है । इनके बिना दलित साहित्य की कल्पना ही नही की जा सकती । इसी कारण केवल दलित का ही अर्थ से परिचित न होकर दलित साहित्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ , तत्व तथा प्रेरणा से भी परिचित होना आवश्यक होगा तो ही दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट हो सकता है।

आदिवासीयों की सामाजिक , धार्मिक ,आर्थिक , राजनैतिक , शैक्षणिक समस्याओं और शोषण आदि से उत्पन्न घृणा , संघर्ष , असंतोष को आधार बनाकर हिंदी रचनाकारों ने साहित्य सृजन किया तो उसका अध्ययन करना आवश्यक है ।

1,2 पाठयक्रम के उद्देश्य (Objectives of the Course) :-

1 छात्रों को आधुनिक हिन्दी कथा एवं उसकी विचारधाराओं से परिचित कराना ।

2 हिन्दी दलित एवं आदिवासी साहित्य से छात्रों कों परिचित कराना ।

3 दलित एवं आदिवासी साहित्य के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना ।

4 छात्रों में सामाजिक मूल्यों की स्थापना कराना ।

5 छात्रों को दलित साहित्य की प्रेरणा तथा तत्व से परिचित कराना ।

6 छात्रों को आदिवासीयों की पीडा से परिचित कराना ।

1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course) :-

1 छात्र आधुनिक हिन्दी साहित्य में प्रवाहित विचारधारा से परिचित होते है ।

2 दलित साहित्य एवं आदिवासी साहित्य के स्वरूप को छात्र समझते हैं।

3 हिन्दी दलित एवं आदिवासी साहित्य से छात्र परिचित हुए हैं।

4 दलित एवं आदिवासी साहित्य लेखन परंपरा से छात्र अवगत होते है।

5 छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजारोपन हुआ है।

6 छात्रों को दलित साहित्य की प्रेरणा तथा तत्व से अवगत होते है ।

7 छात्रों को आदिवासीयों की पीडा से अवगत होते है ।

1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes) :-

साहित्य :-

1 छात्रों में दलित एवं आदिवासी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढेगी ।

2 छात्र दलित एवं आदिवासी साहित्य से उनके प्रति समान भाव की वृद्धी बढामें सहायता मिलेगी ।

भाषा :-

1 छात्र में दलित एवं आदिवासी साहित्य पढने में अधिक सक्षम होगा ।

2 छात्र दलित एवं आदिवासी साहित्य से उनकी संस्कृती , परंपरा जानने में सक्षम होगा ।

3 छात्र दलित एवं आदिवासी साहित्य के माध्यम से उनकी स्थिति जानने में सक्षम होगा ।

1.5 **पाठयक्रम के परिणाम (Programme Outcomes) :-**

1 छात्रों को दलित एवं आदिवासी साहित्य की अवधारणा समझने में मदद होगी ।

2 छात्र दलित एवं आदिवासी साहित्य के तत्वों , विशेषताओं से अवगत होगा ।

3 छात्रों में निष्पक्ष भाव बढाने में मदद मिलेगी ।

1.6 **प्रवेश योग्यता :-** एम . ए. भाग – एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

1.7 **पाठयक्रम की कालावधी (Duration of the Course) :-**

एम. ए. भाग – दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठयक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी ।

1.8 **द्वितीय वर्ष पाठयक्रम कालावधी (Duration of Course) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठयक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

1.9 **अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती (Modes of Internal Evaluation) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 **अध्यापन माध्यम : हिंदी**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

दलित एवं आदिवासी साहित्य

SCT (4.2) Paper No- XX B

Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

श्रेयांक : 05 **नियत तासिकाएँ : 60**

पाठयक्रम संरचना (Course Structure)

सत्र **(Semester)**	प्रश्नपत्र **(Paper)**	प्रश्नपत्र का नाम **(Title of Paper)**	नियत तासिकाएँ **Number of Lectures (Theory)**	अंतर्गत मूल्यांकन **Internal Evaluation (IE)**	सत्रांत मूल्यांकन **End Semester Evaluation (ESE)**	कुल अंक **Total Marks**	श्रेयांक **Credits**
IV	XX B	दलित एवं आदिवासी साहित्य	60	20	80	100	05
कुल **(Total)**	---	---	**60**	**20**	**80**	**100**	**05**

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

Paper No- XX B :दलित एवं आदिवासी साहित्य (CBCS)

(To be introduced from June 2022)

MAHN24C0722

Credits: Theory-04 Contact Hours: 60

इकाई - 1 दलित साहित्य का स्वरूप Credits 01

- दलित साहित्य की परिभाषाएँ एवं तत्व
- दलित साहित्य की प्रेरणा

इकाई -2 हिन्दी दलित उपन्यास : छप्पर Credits 01

इकाई -3 आदिवासी साहित्य का स्वरूप : Credits 01

इकाई - 4 हिन्दी आदिवासी उपन्यास- पांव तले की दूब – संजीव Credits 01

- संजीव का व्यक्तित्व और कृतित्व
- पांव तले की दूब उपन्यास का कथ्य एवं शिल्प
- पांव तले की दूब में आदिवासी जीवन एवं संस्कृति

संदर्भ सूची :-

1 दलित साहित्य की अवधारणा – वीर भारत तलवार

2 चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य – श्योराज सिंह बेचैन

3 दलित साहित्य और प्रेमचंद – डॉ. मारुती शिंदे

4 भारतीय दलित साहित्य आंदोलन – एक संक्षिप्त इतिहास – मोहनदास नैमिशराय

5 आज का दलित साहित्य – डॉ. तेज सिंह

6 दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – शरणकुमार लिंबाळे

7 भारत में आदिवासी विकास की समस्याएँ – पी. आर. नायडू

8 हिन्दी में आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन – बी. के. कलासवा

9 आदिवासी साहित्य विमर्श – गंगा सहाय मीणा

10 आदिवासी दर्शन और साहित्य – वंदना टेटे

11 आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी – रमणिका गुप्ता

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत), सोलापुर

एम.ए.- दो (सत्र- IV)

SCT (4.2) Paper No- XX B **: दलित एवं आदिवासी साहित्य** Syllabus (CBCS)

(Introduced from June 2022)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ पाठ्यविषय :

इकाई – I

दलित साहित्य का स्वरूप :

- दलित शब्द का अर्थ एवं परिभाषा
- दलित साहित्य की परिभाषाएँ एवं तत्व
- दलित साहित्य की प्रेरणा
- दलित साहित्य का उदभव और विकास
- हिन्दी में दलित साहित्य लेखन परंपरा

इकाई:II

हिन्दी दलित उपन्यास : छप्पर

- हिन्दी दलित उपन्यास लेखन की परंपरा
- जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- छप्पर – जयप्रकाश कर्दम

इकाई III

आदिवासी साहित्य का स्वरूप :

- आदिवासी शब्द . परिभाषा एवं स्वरूप
- आदिवासी साहित्य की विशेषताएँ
- आदिवासी साहित्य का उदभव और विकास
- हिन्दी में आदिवासी साहित्य लेखन परंपरा

इकाई IV

हिन्दी आदिवासी उपन्यास : पांव तले की दूब : संजीव

- संजीव का व्यक्तित्व और कृतित्व
- आदिवासी जीवन केन्द्रित हिन्दी उपन्यास परंपरा
- पांव तले की दूब उपन्यास का कथ्य एवं शिल्प
- पांव तले की दूब में आदिवासी जीवन एवं संस्कृति

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- दो)

एम. ए. भाग- दो (सत्र- IV)

प्रश्नपत्र-XX B :दलित एवं आदिवासी साहित्य **(CBCS)**

(To be introduced from June 2022)

सत्रांत परीक्षा - 80 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

{ अंतर्गत मूल्यांकन - 20 Marks}

सूचना : **कुल अंक - 80**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।

2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते है।

प्रश्न: १ -	बहुविकल्पीय प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(16)
प्रश्न:२ -	टिप्पणियाँ (३ में से २) ।	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	
प्रश्न: ३ -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न	(16)
	अ) इकाई 1 और 2 (2 में से 1)	
	ब) इकाई 3 और 4 (2 में से 1)	
प्रश्न:- ४-	इकाई 3 पर निबंधवत प्रश्न	(16)
	(अंतर्गत विकल्प के साथ)	
प्रश्न: ५ -	निबंधवत प्रश्न	(16)
	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	